HINDUSTAN PAGE 6

विश्वकप देखने के लिए चंदे से छात्रावास में आया था टीवी

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल कुछ यादें कुछ किस्से (15)

प्रो. एसपी त्रिवेदी

बात 1983 की है। विश्व कप हो रहा था। हम विश्वविद्यालय के एलबीएस छात्रावास में रहते थे। तय हुआ कि टीवी खरीदी जाए। उस समय टीवी बड़ी बात थी। तय हुआ की चंदा करके टीवी खरीदी जायेगी। तब प्रोवोस्ट एसपी गुप्ता थे। उन्होंने 100 रुपये दिये थे। बाकी लोगों ने 5-5, 10-10 रुपये इकट्ठे किए। याद है ब्लैक एंड वाइट टीवी था। पूरे विश्वविद्यालय में तहलका मच गया। छात्रावास में टीवी आना बड़ी बात भी थी। मैच वाले दिन तो दूसरे छात्रावासों के लड़के भी एलबीएस में आ जुटे थे।

1977-78 में हरदोई से आया था। पढ़ने में अच्छा था तो लिस्ट में चुन लिया गया। यहां रहें कैसे? यह सबसे बड़ा मुद्दा था। उस समय डॉ. एमपी खरे, बाथवानी जी और एमएन शर्मा हुआ करते थे। उन्होंने सुभाष छात्रावास में कमरा नम्बर नौ दिया। बाद में एलबीएस के कमरा नम्बर 15 में रहा। छात्रावास में उस समय बल्ब होते थे। पंखे नहीं थे। तब 25 रुपये महीने पर डालीगंज के बन-मटर चौराहे के पास से पंखा किराये पर लाते। ट्यूबलाइट तो एक सपना हुआ करती थी।

1986 में यूजीसी नेट क्वालीफाई किया। संभवतः विभाग में पहला व्यक्ति था ऐसा करने वाला। 1991 में पीएचडी पूरी हो गई। इसी वर्ष विश्वविद्यालय की सेवा में जुड़ गया। छात्र जीवन की यह बातें हमेशा जेहन में रहीं। इसलिए जब मौका मिला, उनके लिए कुछ करने की कोशिश की। 2010 में जब जिम्मेदारियां मिलीं तो बदलाव भी किए।

- प्रो. एसपी त्रिवेदी, जूलॉजी विभाग

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शताब्दी वर्ष को शिक्षकों ने बनाया यादगार

अमर उजाला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) की ओर से विश्विद्यालय के शताब्दी वर्ष में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों की ग्रुप फोटोग्राफी बृहस्पतिवार को करवाई गई। इसमें उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय समेत लगभग 300 शिक्षक शामिल हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने शताब्दी वर्ष को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसे लेकर शिक्षकों में काफी उत्साह था। इसके बाद टीचर्स स्टाफ क्लब में एक कार्यक्रम हुआ, जिसमें वर्तमान शिक्षकों के साथ कई पूर्व शिक्षक भी शामिल हुए। शिक्षकों के लिए यह भी एक यादगार पल रहा।

एतिहासिक पलः एलयू के 300 शिक्षक एक तस्वीर में

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ में शताब्दी वर्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों की ग्रुप फोटोग्राफी का आयोजन किया जिसमें उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा भी शामिल हुए। ग्रुप फोटोग्राफी में लगभग 300 शिक्षक शामिल हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में यह अपने आप में पहली ऐसी तस्वीर है जिसमें इतनी भारी संख्या में शिक्षक शामिल हुए।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

पल जो कभी न भूलेंगे: लखनऊ विश्वविद्यालय ने हाल ही में अपने सौ वर्ष पूरे किए है। इस अवसर को अविस्मरणीय बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने वृहद स्तर पर आयोजन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने इस मौके को यादगार बनाने के लिए शताब्दी वर्ष पर एक ग्रुप फोटोग्राफी कराई गई। इसमें उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा भी शिक्षक के तौर पर शामिल हुए। ग्रुप फोटो में लगभग 300 शिक्षक रहे। लविवि के इतिहास में यह अपने आप में पहली ऐसी फोटो है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए • जागरण

TOI PAGE 3

LU to resume on-campus classes after nine months

Times News Network

Lucknow: After a gap of nine months caused by the Covid-19 pandemic, the Lucknow University is set to resume on-campus classes from Monday.

Students will be called in batches on alternate days in strict adherence to the Covid-19 protocols. All the departments will run both online and offline classes for the students. In offline mode, only 50% of the total class strength will be called to the campus.

All the eight faculties will run the offline classes six days a week, except commerce in which on-campus classes will be held two days a week. On other days, teachers will continue to take virtual classes. Class for a particular course will be divided into sections — both will be called on alternate days.

For research scholars and postgraduate students, laboratories will be available six days a week. "To maintain social distancing, students will be called on alternate days. We have given both online and offline options to students," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

TOI

Lucknow University Teachers' Association organised a centenary group photograph of all faculty members on Thursday. According to LUTA general secretary Prof Vineet Verma, it was for the first time that a group photograph of around 300 teachers was clicked on the campus along with deputy CM Dinesh Sharma who is also a former faculty and currently the state minister for higher education

Online counselling for admission in PG courses likely from next week

Lucknow: The online counselling for admissions to Lucknow University's (LU) postgraduate (PG) courses is likely to begin next week. The admissions process is expected to conclude by mid-December — after a delay of over six months. The university had put up revised merit lists on its website on Wednesday and has given candidates time till Friday to upload their academic documents. The lists were based on the marks scored by candidates in the entrance examinations conducted in October. "Candidates can upload their documents on the LU portal till Friday. Candidates who had uploaded their documents earlier can also edit them, if required. They can edit their choices too," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. TNN

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि के शताब्दी ग्रुप फोटो में डिप्टी सीएम शामिल

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंदर एक फिल्म की शूटिंग बृहस्पतिवार को भी की गई, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय के सभी प्रोफेसरों और लेक्चरर की एक ग्रुप फोटो भी प्रॉक्टर कार्यालय के ठीक सामने स्थित पार्क में हुई। इस ग्रुप फोटो में उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने भी भाग लिया।

लविवि प्रांगण में हुई एक फिल्म की शूटिंग

लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले माह 19 से 25 नवंबर तक चले एक सप्ताह के शताब्दी समारोह के बाद सजे मंच पर विश्वविद्यालय के सभी प्रोफेसरों और शिक्षकों की ग्रुप फोटो आज बृहस्पतिवार को की गई। इस ग्रप फोटो में भाग लेने के लिए उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह समेत दो ढाई सौ से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं तैयार होकर पहुंचे थे।

इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय में एक फिल्म की शूटिंग भी हुई, जिसमें कई कलाकारों ने भाग लिया। फिल्म सत्यमेव जयते दो की शूटिंग लखनऊ विश्वविद्यालय में ही चल रही है। इसमें मुख्य अभिनेता के रूप में जान अब्राह्म की शूटिंग पिछले तीन दिनों से चल रही है, जबकि 23 अन्य कलाकार भी जॉन अब्राहम के साथ शूट कर रहे हैं।

PIONEER PAGE 4

सौ रुपये में मॉडल ला पाना बना चुनौती

<u>पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ</u>

लखनऊ विश्वविद्यालय में मूर्तिकला की पढ़ाई करने वाले छात्रों के सामने दोहरी चुनौती पिछले कई सालों से बरकरार है। एक तो पढ़ाई के लिए 100 रुपये में विवि प्रशासन को मॉडल ढूंढ पाना मुश्किल हो रहा है तो वही मॉडल को बतौर पारिश्रमिक दिए जाने वाले शुल्क का भी टोटा बना हुआ है।

विवि के फाइन आर्ट्स फैकल्टी में मूर्तिकला के तहत बीएफए व एमएफए की पढ़ाई होती है। इन दोनों कोर्सों में तकरीबन 500 के करीब स्टूडेंट्स हैं। इन स्टूडेंट्स को पढ़ाई के दौरान थ्योरी से ज्यादा प्रेक्टिकल की कक्षाएं होती हैं। इन प्रेक्टिकल की कक्षाओं के लिए मॉडल का होना जरूरी है। सामने मॉडल को देखकर ही स्टूडेंट्स मूर्तिया बनाते हैं। लेकिन पिछले कई साल से यही मॉडल चुनौती बने हुए हैं। इन मॉडल को एलयू की तरफ से बतौर पारिश्रमिक के रूप में 100 रुपये भुगतान किए जाते हैं। बढ़ती मंहगाई के दौर में 100 रुपये में मॉडल मिल पाना जहां चुनौती है वहीं मिलने वाले मॉडल के पारिश्रमिक का भी भुगतान पिछले कई माह से नही हुआ है। ऐसे में कम पारिश्रमिक पर मिलने वाले मॉडल भी अब नही मिल रहे हैं। छात्रों और शिक्षकों ने बताया कि एक तो कम पारिश्रमिक व दूसरे भुगतान न होने से उनकी क्लास नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में कुछ सीखने के लिए उन्हें स्वयं से मॉडल पकड़ कर लाना पड़ता है। विभाग के शिक्षक लालजी अहीर के मुताबिक कई बार तो वह अपनी जेब से भुगतान करते हैं।

i-NEXT PAGE 4

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

ग्रुप फोटो

एलयू शिक्षक संघ में शताब्दी वर्ष में एलयू के सभी शिक्षकों कि ग्रुप फोटोग्राफी का आयोजन किया. जिसमें उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी शामिल हुए.

NBT PAGE 6

21 तक भरे जाएंगे एलएलबी के बैक पेपर फॉर्म

■ एनबीटी, लखनऊ : एलएलबी में छठवें सेमेस्टर में फेल छात्रों का विशेष परिस्थितियों में बैक पेपर करवाने का निर्णय लिया गया है। ये फैसला कुलपति की अध्यक्षता में बनी कमिटी ने लिया है। इसमें स्टूडेंट्स 21 दिसंबर तक बैक पेपर के परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। बीते माह एलएलबी (तीन वर्षीय) छठवें सेमेस्टर के तमाम छात्रों की बैक आ गई है। इसमें छात्रों का कहना था कि ऐसे में उनका भविष्य खराब हो सकता है। साथ ही ये भी कहना था कि कोरोना संक्रमण के कारण कक्षाएं नहीं संचालित हुई थी। ऐसे में छात्रों की मांग थी कि उनकी कॉपिया दोबारा चेक करवाई जाएं या फिर उन्हें पास किया जाए। हालांकि अब एलयू प्रशासन इन स्टूडेंट्स को दोबारा बैक पेपर का मौका दे रहा है।